इनमें से मे० सोना ग्राटोमोबाइल्स इण्डस्ट्रीज लिमिटेड का ग्राशय पत्र ग्रभी भी वैध है ; मे० स्पीडक्राफ्ट (प्रा०) लिमिटेड मे० एयर टेक (प्रा०) लिमिटेड, मे० ग्रानन्दजी हरिदास कं० प्रा० लिमिटेड, श्री एस० चन्द्रा, मे० न्यू इण्डिया ग्राटोमोबाइल्स ग्रर श्री ग्रशोक के० राय के ग्राशय पत्र रद्द कर दिए थे; मे० ग्गरा :ज ग्राटो इ डस्ट्रीज का ग्राशय पत्र तकनीकी विकास के महानिदेशालय ने तीन पहिये की यात्री कारों के निर्माण के लिये पंजीकरण प्रमाणपत्र में बदल दिया है गया ।

Payment of Compensation to Land Owners in Asansol, Raniganj and Andal

435. SHRI ROBIN SEN: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether the Ministry is aware of the fact that vast land in Asansol, Raniganj and Andal Police stations have been acquried and subsided due to de-pillarisation by the Eastern Coal-field Ltd. and no compensation has been paid to cultivators/owners of the land; and

(b) if so, whether Government will take early measures to pay proper compensation and employment to the relatives of the land owners/cultivators?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN): (a) and (b). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

584 LS

बिहार सैनिक पुलिस में सेवा से बर्खास्तगी

436. श्री युवराज : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार राज्य में बिहार सैनिक पुलिस यूनिट संख्या 9, 11, 12, 5, 7, 8, 2, 1, 4 और 3 के लगभग 200 सिपाहियों को आपातकाल में बिना कारण बताये सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इन सिपाहियों पर निराधार ग्रारोप लगा कर इन्हें बर्खास्त किया गया था ;

(ग) क्या उन्हें सिपाहियों को भड़काने, लोकनायक जयप्रकाश नारायण और श्री रामानन्द तिवारी की विचारधारा को विस्तारित एवं प्रचारित करने तथा सिपाही संगठन को मजबूत बनाने और अधिकारियों की धांधली के विरुद्ध ग्रावाज उठाने के लिये बर्खास्त किया गया था ; और

(घ) यदि हां, तो इन सिपाहियों को उनके वेतन तथा भत्तों की पूरी बकाया राशि लौटाते हुए कब तक सेवा में बहाल किया जायेगा; और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

गृह मंत्री (चौधरी चरण सिंह): (क) से (घ) तक. अपेक्षित सूचना बिहार सरकार से एकत्र की जा रही है और उनसे प्राप्त होने पर सदन के पटल पर रख दी जाएगी ।